ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-4* Issue-12* January- 2020
Innovation The Research Concept

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के सकल घरेलू उत्पाद में सेवाक्षेत्र के योगदान का तुलनात्मक अध्ययन

सारांश

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को प्राकृतिक, मानवीय और भौतिक संसाधनों की उपलब्धता एवं उपयोग से विकास करने की स्थिति के आधार पर तीन भागों में विभाजित किया गया है। विकसित अर्थव्यवस्था, विकासशील अर्थव्यवस्था और अविकसित अर्थव्यवस्था। विकसित अर्थव्यवस्था में तीनों संसाधनों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता के साथ उनका अनुकूलतम उपभोग से पूर्ण विकास को किया जाता है। विकासशील अर्थव्यवस्था में उपरोक्त तीनों संसाधनों में से एक या एक से अधिक संसाधन उपलब्धता के साथ उनके समुचित उपयोग की प्रक्रिया को विकासशील अर्थव्यवस्था समझा जाता है। अविकसित अर्थव्यवस्था उसे माना जाता है जहां तीनों प्रकार के संसाधनों में से कोई भी एक या एक से अधिक संसाधन नगण्य हो तथा इन संसाधनों का समूचित दोहन नहीं हो पा रहा हों।

कुंजी शब्द : सेवा क्षेत्र उदारीकरण विकसित अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्था

सपना सोनी
प्राध्यापक–वाणिज्य
शहीद भीमानायक,शा.स्नातको.महा.
बड़वानी, भारत

आशीराम सस्त्या
अतिथि विद्वान

प्रस्तावना

प्रत्येक देश की जी.डी.पी. में तीनों क्षेत्रों प्राथमिक (कृषि), द्वितीयक (विनिर्माण एवं उद्योग) एवं तृतीय (सेवा क्षेत्र) का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। तृतीयक क्षेत्र (सेवाक्षेत्र) में कई क्षेत्रों द्वारा प्रदत्त सेवाओं के व्यापक क्रियाकलाप शामिल है। सेवा क्षेत्र के राष्ट्रीय लेखा वर्गीकरण में व्यापार होटल और रेस्तरां, परिवहन भण्डारण और संचार वित्त पोषण, बीमा, भू–सम्पदा कारोबारी सेवाएँ तथा सामुदायिक सामाजिक और व्यैक्तिक सेवाएँ समाविष्ट है। विश्व व्यापार संगठन और भारतीय रिजर्व बैंक की सेवाओं की सूची में निर्माण कार्य भी, सेवा क्षेत्र में शामिल है। अर्थव्यवस्था में ये तीनों क्षेत्र एक–दूसरे पर परस्पर निर्भर है। कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में होने वाला परिवर्तन पूर्ण रूप से सेवाक्षेत्र को प्रभावित करता है परिणामस्वरूप देश की जी.डी.पी. में भी इनके योगदान का परिवर्तन देखने को मिलता है। भारत विकासशील अर्थव्यस्था वाला देश है जिसकी जी. डी.पी. में सेवाक्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। भारतीय अर्थव्यवस्था विकास की ओर निरन्तर अग्रसर है। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का विकास हुआ है। भारत की जी.डी.पी में सेवाक्षेत्र के योगदान में पिछले दो दशकों में वृद्धि हुई है। वर्ष 2011 में जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का हिस्सा 56 प्रतिशत है 2012 में 59 प्रतिशत रहा जबकि यह 2001 में 52 प्रतिशत ही था। वित्त वर्ष 2013–2014 में जी.डी. पी. में ओर वृद्वि का पूर्वानुमान है। वित्तीय वर्ष 2013–2014 के लिए सेवाक्षेत्र संग्रहण 180141 करोड का लक्ष्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार वैश्विक विकसित एवं विकासशील देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए विश्व के 163 देशों के वर्ष 1980–2011 तक (32 वर्ष) की अवधि के समंको का विश्लेषण करने से स्पष्ट है कि विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के सकल घरेलू उत्पाद में अपना एक विशिष्ठ योगदान रहा है। प्रस्तुत शोध पत्र में इसी आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के सकल घरेलू उत्पाद में सेवाक्षेत्र के योगदान को निम्न उद्देश्यो से जानने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तुत शोध पत्र के उद्देश्य

1. विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के योगदान की जानकारी लेना।
2. सकल घरेलू उत्पाद में सेवाक्षेत्र के योगदान का वर्षवार तुलनात्मक अध्ययन कर सर्वाधिक एवं न्यूनतम योगदान वाले विकसित और विकासशील देशों को ज्ञात करना।

3. सेवाक्षेत्र में सर्वाधिक योगदान वाले देशों की अर्थव्यवस्था का अध्ययन कर न्यूनतम योगदान वाले देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के योगदान को बढाने हेतु आवश्यक सुझाव देना।

शोध कार्य पद्धति

प्रस्तुत शोध पत्र द्वितीय समंकों पर आधारित है जो विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, इन्टरनेट, शोध पत्रिकाओं द्वारा जारी किए गये समंकों का अध्ययन कर एवं अन्य स्त्रोतों से संकलित किए गये है। इस हेतु सर्वप्रथम वैश्विक अर्थव्यवस्था को विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में वगीकृत कर जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के योगदान का देशवार एवं वर्षवार अध्ययन किया गया है। इसके पश्चात विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों की सकल घरेलू उत्पाद में सेवाक्षेत्र के योगदान के आधार पर सर्वाधिक एवं न्यूनतम योगदान वाले देशों का विश्लेषण कर वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के योगदान का तुलनात्मक अध्ययन हेतु वर्ष 1982–2011 के समंकों का उपयोग कर दस–दस वर्षों का औसत निकालकर वर्ष 1991 एवं 2001 को आधार मानकर जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र में होने वाली दशकीय औसत प्रतिशत वृद्वि एवं कमी का विश्लेषण किया गया तथा विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों की अर्थव्यवस्था का अध्ययन कर यह जानने का प्रयास किया गया है कि इन देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का योगदान किस स्तर पर है ? तथा किस प्रकार विकासशील देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के महत्व को बढाया जा सकता है।

उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के कुल 163 देशो में से विकसित अर्थव्यवस्था वाले कुल 25 तथा विकासशील अर्थव्यवस्था वाले कुल 138 देशों की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र के योगदान का देशवार एवं वर्षवार तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था वाले देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के सर्वाधिक एवं न्यूनतम योगदान वाले देश (आकडे प्रतिशत में)

वर्ष 1980–2011 की अवधि के दौरान विश्व के 163 के सकल घरेलु उत्पाद में सेवाक्षेत्र के प्रतिनिधित्व के विश्लेषण के आधार पर सर्वाधिक एवं न्यूनतम योगदान वाले देशों को अग्र तालिका से आसानी से समझा जा सकता हैं।

तालिका 1

सर्वाधिक एवं न्यूनतम योगदान वाले देश (आकड़े प्रतिशत में)

Rank	Developed country						Developing country					
	Maximum			Minimum			Maximum			Minimum		
	country name	Total	Average	country name	Total	Average	country name	Total	Average	country name	Total	Average
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	Bermuda	1346	89.73	Swaziland	1469	45.91	Bahamas The	2204	81.63	Guinea	766	29.46
2	Luxembourg	2456	76.75	Malta	1467	47.32	Palau	1295	80.94	Dominican Republic	1833	57.28
3	United States	2238	72.19	Turkey	1753	54.78	Diibouti	1517	79.84	Equatorial Guinea	357	14.88
4	France	2141	71.37	Ireland	1718	57.27	Maldives	1333	78.41	Iraq	111	15.86
5	Denmark	2208	71.23	Norway	1853	59.77	Antigua and Barbuda	2503	78.22	Liberia	905	28.28
6	Belgium	2172	70.06	Iceland	1798	59.93	Seychelles	2452	76.63	Papua New Guinea	924	28.88
7	Netherland	2143	69.13	Finland	1900	61.29	Panama	2391	74.72	Lao PDR	718	31.22
8	United Kingdom	2106	67.94	Spain	1985	64.03	Barbadosh	2223	74.10	Armenia	739	32.13
9	Sweden	2095	67.58	New Zealand	1747	64.70	Puerto Rico	1701	70.88	Angola	868	32.15
10	Australia	2052	66.19	Japan	2009	64.81	Cape Verde	2248	70.25	central african republic	999	32.23

स्त्रोतः– विश्व बैंक –विभिन्न वार्षिक रिपोर्ट से लिये गए आकडों के विश्लेषण पर निर्मित।

G.D.P. में सेवा क्षेत्र को प्रतिनिधित्व का योग औसत उपरोक्त तालिका में वर्ष 1982 से 2011 तक की अवधि में गत 32 वर्षों के विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में सकल घरेलू उत्पाद में सेवाक्षेत्र के प्रतिनिधित्व से संबंधित समंकों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर उपरोक्त तालिका को निर्मित किया गया है जिसमें इन वर्षो में सेवाक्षेत्र के जी. डी.पी के प्रतिशत के योग को वर्षो की संख्या से विभाजित करने पर प्राप्त औसत के आधार पर विकसित एवं विकासशील देशों में प्रथम दस अधिकतम एवं न्यूनतम योगदान देने वाले देशों की स्थिति को ज्ञात किया है। उपरोक्त तालिका के विश्लेषण से निम्न तथ्य स्पष्ट होते है–

1. विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के योगदान में प्रतिवर्ष उल्लेखनीय वृद्वि हुई है।
2. विकसित अर्थव्यवस्था वाले कुल 25 देशों की सूची'[1] में सेवाक्षेत्र के सर्वाधिक योगदान के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः Bermuda, Luxemberg, United States का है जिनका वर्ष 1982–2011 की अवधि में सेवाक्षेत्र क्रमशः 89.73, 76.75,72.19 प्रतिशत है।
3. विकासशील अर्थव्यवस्था वाले कुल 138 देशों की सूची'[2] में सेवाक्षेत्र के सर्वाधिक योगदान के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः Bahamas, Palau, Diibouti का है जिनका वर्ष 1982–2011 की अवधि में सेवाक्षेत्र क्रमशः 81.63, 80.94, 79.84 प्रतिशत है।
4. विकसित अर्थव्यवस्था वाले कुल 25 देशों की सूची में सेवाक्षेत्र के न्यूनतम योगदान के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः Swaziland, Malta, Turkey का है जिनका वर्ष 1982–2011 की अवधि में सेवाक्षेत्र क्रमशः 45.91, 47.32, 54.78 प्रतिशत है।
5. विकासशील अर्थव्यवस्था वाले कुल 138 देशों की सूची में सेवाक्षेत्र के न्यूनतम योगदान के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः Guinea, Dominican Republic, Equatorial Guinea का है जिनका वर्ष 1982–2011 की अवधि में सेवाक्षेत्र क्रमशः 29.46, 57.28, 14.88 प्रतिशत है।

तालिका 2
विकसित देशों में जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के योगदान का तुलनात्मक अध्ययन
(आकडे प्रतिशत में)

S. No.	Name of country	1982-1991		Rank	1992-2001		Inc./ dec.	% of inc/dec	Rank	2002-2011		Inc./ dec.	% of inc/dec	Rank
		Total	Average		Total	Average				Total	Average			
1	Luxembourg	697	69.7	I	783	78.3	86	8.6	I	839	83.9	56	5.6	I
2	Denmark	692	69.2	Ii	714	71.4	22	2.2	Iv	665	66.5	-49	-4.9	Iv
3	United states	678	67.8	Iii	735	73.5	57	5.7	Ii	698	69.8	-37	-3.7	Ii
4	France	671	67.1	Iv	728	72.8	57	5.7	Iii	615	61.5	-113	-11.3	Viii
5	Belgium	660	66	V	708	70.8	48	4.8	V	678	67.8	-30	-3	Iii
6	Netherland	649	64.9	Vi	706	70.6	57	5.7	Vi	663	66.3	-43	-4.3	V
7	Sweden	644	64.4	Vii	684	68.4	40	4	Vii	638	63.8	-46	-4.6	Vi
8	Canada	636	63.6	Viii	667	66.7	31	3.1	Viii	466	46.6	-201	-20.1	Ix
9	Austria	632	63.2	Ix	670	67	38	3.8	Ix	620	62	-50	-5	Vii
10	New zealand	621	62.1	X	663	66.3	42	4.2	X	345	34.5	-318	-31.8	X
11	Turkey	501	50.1		533	53.3	32	3.2		621	62.1	88	8.8	2 उल्लेखनीय वृद्वि
12	Malta	378	37.8		487	48.7	109	10.9		536	53.6	49	4.9	
13	Bermuda	0	0		539	53.9	539	53.9		807	80.7	268	26.8	4 वृद्वि दर घअते {म में
14	Italy	619	61.9		675	67.5	56	5.6		642	64.2	-33	-3.3	
15	United kingdom	613	61.3		692	69.2	79	7.9		686	68.6	-6	-0.6	
16	Australia	602	60.2		684	68.4	82	8.2		658	65.8	-26	-2.6	
17	Norway	601	60.1		619	61.9	18	1.8		519	51.9	-100	-10	
18	Japan	600	60		655	65.5	55	5.5		638	63.8	-17	-1.7	
19	Spain	598	59.8		659	65.9	61	6.1		614	61.4	-45	-4.5	
20	Germany	597	59.7		670	67	73	7.3		629	62.9	-41	-4.1	5 धनात्मक से ऋणात्मक
21	Portugal	585	58.5		668	66.8	83	8.3		652	65.2	-16	-1.6	
22	Finland	579	57.9		629	62.9	50	5		587	58.7	-42	-4.2	
23	Ireland	546	54.6		559	55.9	13	1.3		506	50.6	-53	-5.3	
24	Iceland	542	54.2		611	61.1	69	6.9		542	54.2	-69	-6.9	
25	Swaziland	479	47.9		440	44	-39	-3.9		456	45.6	16	1.6	7 ऋणात्मक से धनात्मक

स्त्रोतः– विश्व बैंक –विभिन्न वार्षिक रिपोर्ट से लिये गए आकडों के विश्लेषण पर निर्मित।

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का तुलनात्मक अध्ययन (दशकानुसार विश्लेषण)

विश्व बैंक द्वारा समय–समय पर विभिन्न देशों के सकल घरेलू उत्पाद में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व से संबंधित आकड़े अपनी वार्षिक रिपोर्ट में प्रकाशित किये जाते रहें हैं **सैन्ट्रल इंटेलीजेन्सी एजेंसी** (CIA) की सूची के अनुसार वर्ष 1982–2011 की अवधि में विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सेवाक्षेत्र के योगदान का तुलनात्मक अध्ययन दशकीय वृद्वि सहित निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में किया गया।

1. जी.डी.पी में सेवाक्षेत्र के हिसाब से प्रथम दस विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाएं ।
2. विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाएं जिनमें सेवाक्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्वि दर रही।
3. अर्थव्यवस्थाएं जिनमें सेवाक्षेत्र की वृद्वि दर बढते क्रम में रही।
4. अर्थव्यवस्थाएं जिनमें सेवाक्षेत्र की वृद्वि दर घटते क्रम में रही।
5. अर्थव्यवस्थाएं जिनमें सेवाक्षेत्र की वृद्वि दर धनात्मक से ऋणात्मक रही।
6. अर्थव्यवस्थाएं जिनमें सेवाक्षेत्र की वृद्वि दर ऋणात्मक रही।
7. अर्थव्यवस्थाएं जिनमें सेवाक्षेत्र की वृद्वि दर ऋणात्मक से धनात्मक रही।

उपर्युक्त तालिका 2 के विश्लेषण से स्पष्ट है किः–

1. विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों के सकल घरेलू उत्पाद में दशकीय वृद्वि के आधार पर **प्रथम दस अर्थव्यवस्थाएं** क्रमशः Bermuda, Luxembourg, United States, France, Denmark, Belgium, Netherland, United Kingdom, Sweden और Australia है। वर्ष्र 2002 से 2011 की अवधि में प्रथम दस देशों की सूची में कुछ फेरबदल के साथ अपरिवर्तित रही। वर्ष 2002–2011 की अवधि में United States द्वितीय स्थान पर है जो 1982–1991 की अवधि में तृतीय स्थान पर था। ऐसे ही Denmark द्वितीय स्थान से फिसलकर चतुर्थ स्थान पर तथा France चतुर्थ से तृतीय स्थान पर है। वर्ष 2002–2011 के दशक में rance 1992–2001 की तुलना में (–11.3) औसत कमी के साथ तृतीय स्थान से गिरकर आठवे स्थान पर चले गया और Belgium पाचवे स्थान से बढकर तृतीय स्थान पर पहुच गया है।
2. तालिका अनुसार क्रमांक 11 मे विकसित अर्थव्यवस्था वाला एकमात्र देश Turkey है जिसकी जी.डी.पी. में **सेवाक्षेत्र की दशकीय औसत वृद्वि दर उल्लेखनीय** रही है। वर्ष 1992–2001 की अवधि में 3.2 की औसत वृद्वि दर थी जो बढकर वर्ष 2002–2011 की अवधि में यह 8.8 औसत वृद्वि दर हो गयी। इसी प्रकार गत दस वर्षो की तुलना में दशकीय वृद्वि 175 प्रतिशत रहीं।
3. **विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों की सूची में ऐसा कोई भी देश नहीं है जिनकी जी.डी.पी में सेवाक्षेत्र की दशकीय वृद्वि दर सतत् बढते क्रम में रही हो।**
4. तालिका अनुसार विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों मे क्रमांक 13 एवं 14 जिसमें Luxembourg, Malta एवं Bermuda सम्मिलित है जिनकी जी.डी.पी. में **सेवाक्षेत्र की औसत वृद्वि दर घटते क्रम में रही है।** Luxembourg, Malta एवं Bermuda की औसत वृद्वि दर क्रमशः 5.6, 4.9, एवं 26.8 रही है जबकि वर्ष 1992–2001की अवधि की तुलना में यह क्रमशः 8.6, 10.9, व 53.9 औसत थी। जी.डी.पी. में औसत कमी क्रमशः –34.88 प्रतिशत, –55.05 प्रतिशत, और –53. 99 प्रतिशत की कमी आई है।
5. विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों मे तालिका अनुसार क्रमांक 14 से 24 जिसमें Italy, United Kingdom Australia, Norway, Japan, Spain, Germany, Portugal, Finland, Ireland, Iceland आदि देश सम्मिलित है जिनकी अर्थव्यवस्थाओं की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र वर्ष 1992–2001 की अवधि में सेवाक्षेत्र की औसत दर गत दस वर्षो की तुलना में वृद्वि हुई है जबकि वर्ष 2002–2011 की दशकीय अवधि में **सेवाक्षेत्र की औसत वृद्वि दर धनात्मक से ऋणात्मक** क्रमशः (5.6से –3.3), (7.9से –0.6), (5.6से –2. 6) रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इन देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का योगदान धनात्मक से ऋणात्मक हो रहा है।
6. तालिका अनुसार विकसित अर्थव्यवस्थाओं मे जी.डी. पी. में सेवाकर की दशकीय वृद्वि में **ऐसा कोई भी देश नहीं है जिनकी वृद्वि दर सतत् रूप से ऋणात्मक रही हो।**
7. सकल घरेलू उत्पाद मे सेवाकर के योगदान के आधार पर विकसित वाले देशों में Swaziland एकमात्र देश है जिसकी वर्ष 1992–2001 की अवधि में दशकीय औसत वृद्वि दर (–3.9) ऋनात्मक थी। जो वर्ष 2002–2011 की अवधि में दशकीय औसत वृद्वि दर (+1.6) धनात्मक हो रही है। अर्थात स्पष्ट है कि **दशकीय औसत वृद्वि दर ऋणात्मक से धनात्मक पाई गई।**

ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-4* Issue-12* January- 2020
Innovation The Research Concept

तालिका क्र. 3

विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों की जीडीपी में सेवाक्षेत्र के योगदान का तुलनात्मक अध्ययन–दशकीय वृद्धि सहित।

S. No.	Name of COUNTRY	1982-1991		Ra-nk	1992-2001		INC./ DEC.	% OF INC/DEC	Ranks	2002-2011		INC./ DEC.	% OF INC/DEC	RANK 1
		Total	Average		Total	Average				Total	Average			
1	Seychelles	777	77.7	I	727	72.7	-50	-5	IV	795	79.5	68	6.8	II
2	Antigua and Barbuda	769	76.9	II	786	78.6	17	1.7	I	798	79.8	12	1.2	I
3	Panama	737	73.7	III	740	74	3	0.3	III	770	77	30	3	III
4	Barbados h	728	72.8	IV	745	0	17	1.7	II	612	61.2	-133	-13.3	VIII
5	Cape Verde	671	67.1	V	701	70.1	30	3	VI	745	74.5	44	4.4	V
6	Jordan	667	66.7	VI	692	69.2	25	2.5	VII	671	67.1	-21	-2.1	VI
7	Grenada	645	64.5	VII	707	70.7	62	6.2	V	748	74.8	41	4.1	IV
8	Suriname	627	62.7	VIII	618	61.8	-9	-0.9	X	550	55	-68	-6.8	X
9	Kiribati	624	62.4	IX	631	63.1	7	0.7	IX	593	59.3	-38	-3.8	IX
10	Gambia The	604	60.4	X	637	63.7	33	3.3	VIII	616	61.6	-21	-2.1	VII
11	Dominica	546	54.6		603	60.3	57	5.7		706	70.6	103	10.3	2 उल्लेखनीय वृद्धि
12	Montenego	0	0		127	12.7	127	12.7		686	68.6	559	55.9	
13	Serbia	0	0		102	10.2	102	10.2		603	60.3	501	50.1	
14	Georgia	371	37.1		400	40	29	2.9		622	62.2	222	22.2	
15	Mauritius	551	55.1		592	59.2	41	4.1		666	66.6	74	7.4	3 वृद्धि दर बढते क्रम में
16	Turkey	501	50.1		533	53.3	32	3.2		622	62.2	89	8.9	
17	BahamasThe	574	57.4		804	80.4	230	23		826	82.6	22	2.2	4 वृद्धि दर घटते क्रम में
18	South Africa	527	52.7		624	62.4	97	9.7		655	65.5	31	3.1	
19	Chile	526	52.6		561	56.1	35	3.5		583	58.3	22	2.2	
20	Maldives	0	0		533	53.3	533	53.3		800	80	267	26.7	
21	Labanon	0	0		546	54.6	546	54.6		716	71.6	170	17	
22	Jamaica	0	0		547	54.7	547	54.7		708	70.8	161	16.1	
23	bosnia and Herzegovina	0	0		416	41.6	416	41.6		647	64.7	231	23.1	
24	Samoa	0	0		436	43.6	436	43.6		588	58.8	152	15.2	
25	Brazil	468	46.8		637	63.7	169	16.9		662	66.2	25	2.5	
26	Latvia	356	35.6		633	63.3	277	27.7		666	66.6	33	3.3	
27	Norway	601	60.1		619	61.9	18	1.8		519	51.9	-100	-10	5 धनात्मक से ऋणात्मक
28	Vanuatu	596	59.6		699	69.9	103	10.3		559	55.9	-140	-14	
29	Mexico	583	58.3		666	66.6	83	8.3		622	62.2	-44	-4.4	
30	Belize	539	53.9		623	62.3	84	8.4		460	46	-163	-16.3	
31	Argentina	531	53.1		660	66	129	12.9		570	57	-90	-9	
32	Madagascar	528	52.8		590	59	62	6.2		448	44.8	-142	-14.2	
33	**B**enin	520	52		523	52.3	3	0.3		490	49	-33	-3.3	
34	Uruguay	476	47.6		647	64.7	171	17.1		637	63.7	-10	-1	
35	Puerto Rico	576	57.6		551	55.1	-25	-2.5		457	45.7	-94	-9.4	6 ऋणात्मक ही रही।
36	Bahrain	532	53.2		244	24.4	-288	-28.8		0	0	-244	-24.4	
37	Iran,Islamic Rep.	526	52.6		498	49.8	-28	-2.8		276	27.6	-222	-22.2	
38	Zimbabwe	522	52.2		428	42.8	-94	-9.4		391	39.1	-37	-3.7	
39	Egypt Arab Rep	509	50.9		508	50.8	-1	-0.1		487	48.7	-21	-2.1	

40	Comoros	507	50.7		460	46	-47	-4.7		320	32	-140	-14	
41	Chad	504	50.4		483	48.3	-21	-2.1		243	24.3	-240	-24	
42	Thailand	502	50.2		499	49.9	-3	-0.3		454	45.4	-45	-4.5	
43	Saudi Arabia	500	50		447	44.7	-53	-5.3		323	32.3	-124	-12.4	
44	Fiji	586	58.6		574	57.4	-12	-1.2		663	66.3	89	8.9	7 ऋणात्मक से धनात्मक
45	Dominican Republic	574	57.4		546	54.6	-28	-2.8		607	60.7	61	6.1	
46	Senegal	571	57.1		568	56.8	-3	-0.3		605	60.5	37	3.7	
47	Honduras	536	53.6		507	50.7	-29	-2.9		583	58.3	76	7.6	
48	Mongolia	526	52.6		386	38.6	-140	-14		452	45.2	66	6.6	

स्त्रोतः– विश्व बैंक –विभिन्न वार्षिक रिपोर्ट से लिये गए आकडों के विश्लेषण पर निर्मित।

हि

1. विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों की सूची में **प्रथम दस अर्थव्यवस्थाएं** क्रमशः Bahamas The, Palau, Diibouti, Maldives, Antigua and Barbuda, Seychelles, Panama, Barbadus, Puerto Rico, Cape Verde है। वर्ष 1992 से 2001 की अवधि में प्रथम दस देशों की सूची में कुछ फेरबदल के साथ अपरिवर्तित रही। वर्ष 2002–2011 की अवधि में Barbadus द्वितीय स्थान पर है जो 1982–1991 की अवधि में तृतीय स्थान पर था। ऐसे ही Seychelles प्रथम स्थान से फिसलकर चतुर्थ स्थान पर तथा Antigua द्वितीय स्थान से बढ़कर प्रथम स्थान पर आ गया है। वर्ष 2002–2011 के दशक में Barbadus 1992 –2001 की तुलना में (–13.3) औसत कमी के साथ तृतीय स्थान से गिरकर आठवें स्थान पर चले गया और Grenda पाचवें स्थान से बढकर चतुर्थ स्थान पर पहुच गया है।
2. विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों की सूची में भी तालिका अनुसार क्र. 11 से 14 जिसमें Diominica, Montenegro, Serbia Georgia देश सम्मिलित है, जिनकी जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र की **औसत वृद्वि दर में उल्लेखनीय वृद्वि** रही है। इन देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का प्रतिनिधित्व वर्ष 2002–2011 की अवधि में क्रमशः 10.3, 55.9, 50.1, 22.2 औसत दर रही है जो वर्ष 1992–2001 की अवधि में क्रमशः 5.7,12.7, 10.2, तथा 2.9 औसत दर थी। इस प्रकार इन देशों की जी.डी.पी में दशकीय वृद्धि दर निम्नानुसार हैः–

तालिका क्र. 4

विकासशील देश	1992–2001	2002–2011	दशकीय वृद्वि	प्रतिशत वृद्वि
Georgia	2.9	22.2	19.3	665-52 %
Serbia	10.2	50.1	39.9	391-18 %
Montenegro	12.7	55.9	43.2	340-16 %
Diominica	5.7	10.3	4.6	80-70 %

स्त्रोतः– विश्व बैंक –विभिन्न वार्षिक रिपोर्ट से लिये गए आकडों के विश्लेषण पर निर्मित।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि तालिका अनुसार क्र 11 से 14 के देशों की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र की दशकीय प्रतिशत वृद्वि उल्लेखनीय रही है और औसत वृद्वि दर सदैव धनात्मक ही रही है जो भविष्य में भी औसत वृद्वि दर की प्रगति के लिए सकारात्मक संकेत है।

3. तालिका अनुसार विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशो मे क्रमांक 15 से 16 जिसमें Mauritius, Turkey दो देश सम्मिलित है जिसकी जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र की औसत वृद्वि दर गत वर्ष की तुलना में **औसत वृद्वि दर बढते क्रम में रही है।** Mauritius की औसत वृद्वि दर वर्ष 2002–2011 की अवधि में 7.4 की औसत वृद्धि दर रही है जबकि यह वर्ष 1992–2001 की अवधि में यह 4.1 औसत वृद्वि दर थी। ऐंसे ही Turkey की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र की औसत वृद्वि दर वर्ष 2002–2011 की अवधि में 8.9 औसत वृद्वि दर रही है जबकि यह वर्ष 1992–2001 की अवधि में यह 3.2 औसत वृद्वि दर थी। इस प्रकार दोनों देशो की औसत वृद्वि दर क्रमशः 80.48 प्रतिशत और 178.13 प्रतिशत रही है और भविष्य में भी बढने की संभावना है।

4. तालिका अनुसार विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशो मे क्रमांक 13 एवं 14 जिसमें Luxembourg, Malta एवं Bermuda सम्मिलित है जिनकी जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र की औसत वृद्वि दर गत वर्ष की तुलना में **औसत वृद्वि दर घटते क्रम में रही है।** Luxembourg,Malta एवं Bermuda की औसत वृद्वि दर क्रमशः 5.6, 4.9, एवं 26.8 रही है जबकि वर्ष 1992–2001 की अवधि की तुलना में यह क्रमशः 8.6, 10.9, व 53.9 औसत थी। जी.डी.पी. में औसत कमी क्रमशः –34.88 प्रतिशत, –55.05 प्रतिशत, और –53.99 प्रतिशत की कमी आयी है।

5. विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में भी तालिका अनुसार क्र. 27 से 34 में उल्लिखित देशो की जी.डी.पी. में भी सेवाक्षेत्र **धनात्मक से ऋणात्मक** क्रमशः (1.8से–10), (10.3 से –14), (8.3से –4.4), (8.4से –16.3), (129 से–9), (6.2 से–14.2), (0.3से –3.3), (17.1से –1), रही है।

6. तालिका अनुसार विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशो मे क्रमांक 35 से 43 जिसमें Puerto, Rico Bahrain, Iran, Islamic Rep., Zimbabwe, Egypt Arab Rep., Comoros, Chad, Thailand, audi Arabia सम्मिलित

है जिनकी जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र की औसत वृद्वि दर गत वर्ष की तुलना में ऋणात्मक ही रही है।

7. सकल घरेलू उत्पाद मे सेवाकर के योगदान के आधार पर विकासशील देशो में तालिका अनुसार क्रमांक 44 से 48 जिसमें Fiji, Dominican, Republic, Senegal, Honduras और Mongolia देश है जिसकी वर्ष 2002–2011 की अवधि में दशकीय वृद्वि दर क्रमशः 8.9 , 6.1, 3.7, 7.6 और 6.6 औसत दर रही है जो वर्ष 1992–2001 की गत दशकीय अवधि में क्रमशः (–1.2) , (–2.8), (–0.3), (–2.9) और (–140189 ऋणात्मक थी। इस प्रकार इनमें सम्मिलित देशो की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का योगदान **ऋणात्मक से धनात्मक की स्थिति में है।**

भारतीय अर्थव्यवस्था की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र की स्थिति

भारत विकासशील अर्थव्यवस्थाओं वाले देशो की श्रेणी में आता है। भारत की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र का योगदान वर्ष 2011 में 56 प्रतिशत था जो बढकर वर्ष 2012 में 59 प्रतिशत हो गया है। विकासशील अर्थव्यवस्था वाले कुल 138 देशो की सूची में भारत का स्थान 77 वां है। वैश्विक विकासशील अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के सकल घरेलु उत्पाद में सेवा क्षेत्र के प्रतिनिधित्व की दृष्टि से भारतीय उदारीकरण स्थिति में सेवाक्षेत्र का प्रतिनिधित्व में सतत् वृद्धि का दौर जारी है। सन् 1982 से 2011 की अवधि के मध्य पंचवर्षीय औसत सेवावृद्धि दर को अग्रतालिका में ज्ञात करने का प्रयास किया गया है।

तालिका 5

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवाक्षेत्र

(आकडे प्रतिशत में)

Year	Total	Average	Inc/Dec	Inc/Dec %
1982-1986	212	42.4	-	-
1987-1991	222	44.4	2	4.71%
1992-1996	228	45.6	1.2	2.70%
1997-2001	248	49.6	4	8.77%
2002-2006	265	53.0	3.4	6.85%
2007-2011	272	54.4	1.4	2.64%

स्त्रोतः– इकोनामिक सर्वे–विभिन्न वार्षिक रिपोर्ट से लिये गए पंचवर्षीय आकडों के विश्लेषण पर निर्मित।

G.D.P. में सेवा क्षेत्र के प्रतिनिधित्व प्रतिशत का कुल योग का औसत प्रतिशत।

उपर्युक्त तालिका क्र 5 में भारत की जी.डी. पी. में पॉच–पॉच वर्षो के आधार पर सेवाक्षेत्र के योगदान में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन को ज्ञात किया गया है। तालिका से स्पष्ट होता है कि भारत की जी.डी.पी. में वर्ष 1987–1991 की अवधि में औसत दर 44.4 है जबकि यह वर्ष 1882–1986 की अवधि में 42.4 औसत थी। यह गत पॉच वर्षो की तुलना में 4.71 प्रतिशत की वृद्वि हो रही है। इसी प्रकार वर्ष 1997–2001 की अवधि में औसत दर 49.6 है जबकि यह वर्ष 1992–1996 में 45.6 औसत थी। यह गत पॉच वर्षो की तुलना में 8.77 प्रतिशत की वृद्वि हुई है। हालांकि प्रतिशत वृद्वि दर गत पॉच वर्षो की तुलना में 6.85 प्रतिशत की कमी हुई है। इसी प्रकार वर्ष 2007–2011 की अवधि में औसत दर 54.4 है जबकि यह वर्ष 2002–2006 में 42.4 औसत थी। यह गत पॉच वर्षो की तुलना में 2.64 प्रतिशत वृद्वि हुई है। इस प्रकार गत पॉच वर्षो में सेवाक्षेत्र की प्रवृति का अध्ययन करने से पता चलता है कि भारत की जी.डी.पी. में सेवाक्षेत्र के योगदान के बढने की अपार संभावनाएं है।

भावी संभावनाएँ

विश्व में तेजी से बढ़ रही जनसंख्याएँ तथा उनकी आवश्यकताएँ व सार्वभौमिक दबाव से सेवा क्षेत्र की प्रगति निहित है। यही कारण है कि विश्व के अधिकतर देशों के GDP में सेवा क्षेत्र ने अधिकतम वृद्धि दर्ज की। विश्व के अनेक देशों में साफ्टवेयर, दूरसंचार, उपभोक्ता सेवाएँ, स्वास्थ्य एनीमेशन, फोटोग्राफी वित्त एवं लेखा सेवाएँ कानूनी सलाह, प्रबन्ध सेवाएँ, मल्टीमीडियॉ, जैव–प्रौद्योगिकी, फैशन एवं फोटोग्राफी, शिक्षा आदि तमाम क्षेत्र में रोजगार निर्माण हुआ है। नास्कार की रिपोर्ट के अनुसार साफ्टवेयर क्षेत्र में सेवाओं के निर्यात की अपार सम्भावनाएँ विद्यमान हो सकती है। सेवाओं के निर्यात में विभिन्न देशों के मध्य आउट सोर्सिंग को बढ़ावा दिया है। भारत में उपलब्ध सस्ता व स्तरीय श्रम की उपलब्धता ने लाखों लोगो को इससे रोजगार प्राप्त करवाया है। बोस्टन परामर्श समूह के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में 2020 तक 40 मिलियन नए सेवा रोजगारों का सृजन होगा।

सुझाव

(1) सरकारें सेवा करदाताओं को प्रोत्साहन करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर उन्हे सम्मानित कर अगले वर्षो में कर से रियायत प्रदान करें।

(2) सेवाओं के प्रतिफल के बदले में होने वाले व्ययों पर कोई कटौतियों का उल्लेख किसी भी देश में प्रावधान नही है। अतः आवश्यक है कि आयकर की भांति सेवादाताओं को व्ययों की कटौत्री प्रदान करें।

(3) नवीन सेवाओं को करारोपण योजना के लिए गहन धरातलीय सर्वेक्षण अन्य देशों स्थानीय स्तर पर किए जाए।

(4) सेवाकर सम्बन्धी विवादों का शीघ्र निराकरण किया जाय।

निष्कर्ष

निसंदेह सेवा कर विभिन्न सरकार के लिए राजस्व प्राप्ति के एक प्रमुख स्त्रोत के रूप में उभर रहा है। सेवा कर विभिन्न देशो की सरकारों द्वारा उत्पादन

व्यापारी वर्ग से भार को कम करके पर्याप्त राजस्व को इकट्ठा करना रहा है। **विभिन्न देशो में राष्ट्रीय आय की कृषि क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र पर निर्भरता निरन्तर घट रही है तथा सेवा क्षेत्र का योगदान बढ़ता जा रहा है।** वर्तमान में सेवाक्षेत्र के विभिन्न आयामों में प्रबन्ध बैकिंग, प्रशासन, होटल, संचार, यात्रा थोक एवं फुटकर व्यावसाय शोध एवं अनुसंधान एवं पेशेवर सेवाओं में विस्तार के रूप में प्रकट हो रहा है। किसी देश के आर्थिक विकास का मापक सेवा क्षेत्र का विकास एवं विस्तार ही है।

संदर्भ

1. *www.world bank data*
2. *https://www.cia.gov*
3. *www.imf.org*
4. *सैन्ट्रल इंटेलीजेन्सी एजेंसी (CIA) द्वारा जारी विकसित देशो की सूची वाले देशों के जी.डी.पी. का विश्लेषण ।*
5. *'अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा जारी विकासशील देशो की सूची वाले देशों के जी.डी.पी. का विश्लेषण ।*